JUNE

2024

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग
उत्तर प्रदेश सरकार

Find solution, end water supply woes, demand residents

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Reeling under a water crisis for the past several days, the people of Indiranagar are demanding a permanent mechanism to tackle problems with the water supply from Kathauta lake, which occurs twice a year due to maintenance of the Indira Canal.

Residents explained that the canal, which supplies water to Kathauta lake—the main source of water for the area—undergoes a cleaning and maintenance process twice a year by the irrigation department. This disrupts the water supply to the canal, causing the water level in Kathauta lake to drop significantly. This drop, in turn, leads to major water shortages in Indiranagar and Gomtinagar areas. Although the LMC tries to mitigate the issue by sending water tanks, a lasting solution is needed.

Expressing his concerns, Ram Rakshpal Singh, a resident of Indiranagar Sector 15, said, "When the water crisis occurs every year, there should be an alternative mechanism to maintain the water supply. The water table is going down, rendering tube wells ineffective. The authorities should make efforts to restore them."

Over 3K Jal Sewa Kendras to quench thirst

Amid the scorching heatwave, the Jal Jivan Mission has decided to set up over 3000 Jal Sewa Kendras across all districts to provide cool drinking water to people. The initiative, which is supported by NGOs and private companies, is already active in rural areas and will now be expanded in urban areas as well. Principal secretary Namami Gange and rural water supply department Anurag Srivastava issued directives on Friday to ensure that the services begin from June 1.Special emphasis will be given to religious cities like Ayodhya, Varanasi, Prayagraj and Mathura, keeping in view the high number of tourist footfall.

Manoj Arya, GM of Jalkal, Lucknow, said, "To address the water shortage permanently, we are preparing a proposal for desilting Kathauta lake and reboring existing tube wells in the area. This can provide a proper solution to the water crisis. Hopefully, the proposal will be passed and the people of the area will enjoy an uninterrupted supply soon."

गर्मी से राहत | **जल जीवन मिशन हर जिले में संचालित करेगा लगभग 40 जल सेवा केंद्र**

श्रद्धालुओं की प्यास बुझाएंगे तीन हजार जल सेवा केन्द्र

स्वदेश समाचार ■ लखनऊ

बढ़ती गर्मी में सार्वजनिक स्थानों और भीड़ भाड़ वाली जगहों पर राहगीरों को शुद्ध पेयजल मुहैया हो सके। इसके लिए जल जीवन मिशन शहरों में 3000 से अधिक जल सेवा केन्द्र चलाएगा। ये जल सेवा केन्द्र एक बड़े प्याऊ की तरह काम करेंगे, जहां राहगीरों, श्रद्धालुओं और आम जन को गर्मी में पीने के लिए ठंडा साफ पानी मिल सकेगा। विशेषतौर पर ये केन्द्र शहर के अस्पतालों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजारों, मंदिरों और धार्मिक स्थलों के पास लगाए जाएंगे। पूरे प्रदेश में ये व्यवस्था शुरू हो गई है। सभी को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने की ये सेवा पूरी तरह से निशुल्क होगी। यह पूरा खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े एनजीओ, कंपनियां और एजेंसियां उठाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केंद्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

अयोध्या में सबसे अधिक होगी जल सेवा केन्द्रों की संख्या : अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहर जहां श्रद्धालुओं और राहगीरों की संख्या अधिक है। वहां पर 51 से अधिक जल सेवा केंद्र बनाए जाएंगे। अयोध्या में राम मंदिर और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर जाने वाले सभी रास्तों पर हर 2 किलोमीटर की दूरी पर जल सेवा केन्द्र लगाए जाएंगे। जिससे श्रद्धालुओं को गर्मी में किसी भी तरह की दिक्कत न हो। कुछ ऐसा ही बंदोबस्त वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ में भी किया जाएगा। इसके अलावा छोटे जिलों में 40 जल सेवा केंद्र शुरू किए जाएंगे।

गरीबों को घर से बाहर भी बिना खर्च मिल सकेगा साफ ठंडा पानी : जल सेवा केन्द्रों का लाभ यूं तो सभी को होगा। मगर इसका सबसे अधिक लाभ गरीबों को होगा। उन्हें बिना किसी खर्च के घर से बाहर भी साफ ठंडा पानी मिल सकेगा। आमतौर पर सार्वजनिक जगहों पर जल सेवा केंद्र न होने की वजह से पैसे खर्च करने पड़ते हैं। इस कारण गरीब पानी नहीं खरीद पाता है, जिसकी वजह से उसे लू लगने का खतरा बना रहता है।

पहली बार शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा जल जीवन मिशन : जल जीवन मिशन के तहत अभी तक गांवों में पानी सप्लाई की व्यवस्था देखता है। मगर ये पहली बार होगा जब विभाग शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा। दरअसल प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में हर घर नल से जल पहुंचाने के सफल प्रयोग के बाद अब जल जीवन मिशन को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके पीछे एक बड़ी वजह ये भी है कि विभाग के पास शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए एक बड़ी टीम है, जो हर जिले में मौजूद है।

epaper
हिन्दुस्तान

‘पानी की सप्लाई रुकी तो अफसरों की खैर नहीं’

जागरूकता

- एजेंसी संचालक जेल जाने को रहें तैयार
- पेयजल परियोजना का निरीक्षण किया

कानपुर देहात, संवाददाता। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को जनपद का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मैथा ब्लॉक की ग्राम पंचायत भुजपुरा परियोजना में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय प्रमुख सचिव ने पानी टंकी, पंप, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी भी ली। उन्होंने गांव में पानी की जांच एवं जागरूकता टीम से जानकारी ली।

प्रमुख सचिव ने अधिकारियों की लापरवाही पर भी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन डलने के तुरंत बाद से ही सड़कों की मरम्मत कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी की सप्लाई गांवों में बाधित हुई तो अफसरों की खैर नहीं होगी। जलापूर्ति बाधित होने पर एजेंसियों के संचालक जिम्मेदार होंगे। चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि हालात अगर जल्द नहीं सुधरे तो एफआईआर और जेल जाने की तैयारी भी कर लें। प्रमुख सचिव के तेवर देख अफसरों में हड़कंप मचा नजर आया। प्रमुख सचिव ने महिलाओं से पानी के महत्त्व को लेकर पूछताछ की। उन्होंने महिलाओं से दूषित पानी से होने वाली बीमारियों की जानकारी भी ली। साथ चल रहे अफसरों को निर्देश दिया कि बरसात शुरू होने से पहले ही गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाकर दूषित पेयजल पीने के नुकसान की जानकारी दी जाए।प्रमुख सचिव ने गांव में नल खुले होने से रोजाना होने वाली पानी की बर्बादी से अफसरों को सचेत किया। ग्रामीण जागरूक हों, इसकी जिम्मेदारी स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ अफसरों की भी है। सड़कों पर पाइपलाइन की खुदाई के कारण सड़कों की मरम्मत को लेकर भी प्रमुख सचिव का रवैया सख्त दिखा।

Facul
& Tec

पानी की सप्लाई रुकी तो अफसरों की खैर नहीं : प्रमुख सचिव

संवाद न्यूज एजेंसी

कानपुर देहात। हर घर जल योजना के तहत की जा रही आपूर्ति कई जगह बदहाल है। अक्सर लीकेज होने से आपूर्ति ठप रहने व कहीं घरों तक पानी न पहुंचने की शिकायतें आ रही है। शुक्रवार को निरीक्षण करने आए नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने मैथा ब्लॉक के भुजपुरा में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण कर अफसरों के पेच कसे। कहा कि जल आपूर्ति बाधित हुई तो जिम्मेदारों की खैर नहीं है। जो भी दोषी होगा उस पर कार्रवाई होगी। जेल भेजने तक की चेतावनी दी।

प्रमुख सचिव को निरीक्षण में कई खामियां मिली। मौजूद कुछ लोगों ने पाइप लाइन बिछाने के बाद सड़क खुदी छोड़ देने की शिकायत की। इस पर उन्होंने जिम्मेदारों से नाराजगी जताई। कहा कि पाइप लाइन डालने के तुरंत बाद सड़कों की मरम्मत करवाई जाए। पानी की सप्लाई गांवों में बाधित हुई तो अफसरों की खैर नहीं होगी। जलापूर्ति बाधित होने पर एजेंसियों के संचालक सीधे जिम्मेदार होंगे।

भुजपुरा में जल जीवन मिशन योजना की जानकारी लेते नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव। स्रोत: सूचना विभाग

नमामि गंगे के प्रमुख सचिव ने किया परियोजनाओं का निरीक्षण

चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि हालात अगर जल्द नहीं सुधरे तो मुकदमा और जेल जाने की तैयारी भी कर लें। प्रमुख सचिव ने गांव की महिलाओं से पानी के महत्व व दूषित पानी पीने से होने वाली बीमारियों के बारे में पूछताछ की। जवाब न मिलने पर उन्होंने महिलाओं को जानकारी भी दी। उन्होंने अधिकारियों को बारिश शुरू होने से पहले गांव में दूषित पानी पीने से होने वाली बीमारियों के प्रति जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए।

उन्होंने जल संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि ग्रामीण नल खुले छोड़ कर पानी बर्बाद न करें। पानी की हर बूंद जीवन देने वाली है। ग्रामीण जागरूक हों, इसकी जिम्मेदारी स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ अफसरों की भी है। प्रमुख सचिव में बताया की गांव में पानी की समस्या कभी नहीं होगी।

जलापूर्ति में बाधा होने पर होगी कार्रवाई : प्रमुख सचिव

जल जीवन मिशन योजना का **निरीक्षण** करने पहुंचे मैथा ब्लाक के भुजपुरा

जासं, कानपुर देहात: नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को मैथा ब्लाक की ग्राम पंचायत भुजपुरा परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि जलापूर्ति में कहीं बाधा हुई तो जिम्मेदार पर कार्रवाई की जाएगी। प्रमुख सचिव ने अधिकारियों को सड़क मरम्मत न कराने की लापरवाही पर भी फटकार लगाई।

प्रमुख सचिव ने कहा कि पाइपलाइन डालने के तुरंत बाद से ही सड़कों की मरम्मत कराई जानी चाहिए। पानी की आपूर्ति गांवों में बाधित हुई तो अफसरों की खैर नहीं होगी। जलापूर्ति बाधित होने पर एजेंसियों के संचालक जिम्मेदार होंगे। चेतावनी देते हुए कहा कि हालात अगर जल्द नहीं सुधरे तो एफआईआर और जेल जाने की तैयारी कर लें। प्रमुख सचिव ने महिलाओं से पानी के महत्व को लेकर बात की। उन्होंने महिलाओं से दूषित पानी से होने वाली बीमारियों की जानकारी भी ली। साथ चल रहे अफसरों को निर्देश दिया कि वर्षा शुरू होने से पहले ही गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाकर दूषित पेयजल के नुकसान की जानकारी दी जाए। नल खुले होने से रोजाना होने वाली पानी की बर्बादी से अफसरों को सचेत किया। कहा कि पानी की हर बूंद जीवन देने वाली है। किसी भी हाल में इसकी बर्बादी नहीं होनी चाहिए। ग्रामीण जागरूक हों, इसकी जिम्मेदारी स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ अफसरों की भी है। सड़कों पर पाइपलाइन की खोदाई के कारण सड़कों की मरम्मत को लेकर भी प्रमुख सचिव का रवैया सख्त रहा।

भुजपुरा में निरीक्षण के दौरान जानकारी लेते नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव दाएं • सौ. विभाग

राहगीरों, श्रृद्धालुओं की प्यास बुझाएगें तीन हजार जल सेवा केन्द्र

जल जीवन मिशन हर जिले में संचालित करेगा लगभग 40 जल सेवा केंद्र, जल सेवा केन्द्र पूरी तरह से होंगे नि:शुल्क

लखनऊ(स्वरूप ब्यूरो) । बढ़ती गर्मी में सार्वजनिक स्थानों और भीड़ भाड़ वाली जगहों पर राहगीरों को शुद्ध पेयजल मुहैया हो सके। इसके लिए जल जीवन मिशन शहरों में 3000 से अधिक जल सेवा केन्द्र चलाएगा। ये जल सेवा केन्द्र एक बड़े प्याऊ की तरह काम करेंगे, जहां राहगीरों, श्रृद्धालुओं और आम जन को गर्मी में पीने के लिए ठंडा साफ पानी मिल सकेगा। विशेषतौर पर ये केन्द्र शहर के अस्पतालों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजारों, मंदिरों और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे। पूरे प्रदेश में ये व्यवस्था शुरू हो गई है। सभी को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने की ये सेवा पूरी तरह से निशुल्क होगी। यह पूरा खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े हस्त्र, कंपनियां और एजेंसियाँ उठाएंगी. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केन्द्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

अयोध्या में सबसे अधिक होगी जल सेवा केन्द्रों की संख्या- अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहर जहां श्रृद्धालुओं और राहगीरों की संख्या अधिक है। वहां पर 51 से अधिक जल सेवा केन्द्र बनाए जाएंगे। अयोध्या में राम मंदिर और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर जाने वाले सभी रास्तों पर हर 2 किलोमीटर की दूरी पर जल सेवा केन्द्र लगाए जाएंगे। जिससे श्रृद्धालुओं को गर्मी में किसी भी तरह की दिक्कत न हो। कुछ ऐसा ही बंदोबस्त वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ में भी किया जाएगा। इसके अलावा छोटे जिलों में 40 जल सेवा केन्द्र शुरू किए जाएंगे।

गरीबों को घर से बाहर भी बिना खर्च मिल सकेगा साफ ठंडा पानी- जल सेवा केन्द्रों का लाभ यूं तो सभी को होगा। मगर इसका सबसे अधिक लाभ गरीबों को होगा। उन्हें बिना किसी खर्च के घर से बाहर भी साफ ठंडा पानी मिल सकेगा। आमतौर पर सार्वजनिक जगहों पर जल सेवा केन्द्र न होने की वजह से पैसे खर्च करने पड़ते हैं। इस कारण गरीब पानी नहीं खरीद पाता है, जिसकी वजह से उसे लू लगने का खतरा बना रहता है।

पहली बार शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा जल जीवन मिशन- जल जीवन मिशन के तहत अभी तक गांवों में पानी सप्लाई की व्यवस्था देखता है। मगर ये पहली बार होगा जब विभाग शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा। दरअसल प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में हर घर नल से जल पहुंचाने के सफल प्रयोग के बाद अब जल जीवन मिशन को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है।

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन कार्यालय पर सुंदर कांड एवं विशाल भंडारे का आयोजन
राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के गोमतीनगर स्थित कार्यालय पर सुंदरकांड पाठ एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया ● आयोजक

जल जीवन मिशन योजना का निरीक्षण करने कानपुर देहात पहुंचे प्रमुख सचिव नमामि गंगे

पानी की सप्लाई रुकी तो अफसरों की खैर नहीं

कानपुर। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को कानपुर देहात का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मैथा ब्लाक की ग्राम पंचायत भुजपुरा परियोजना में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय प्रमुख सचिव ने पानी टंकी, पंप, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी भी ली। उन्होंने गांव में पानी की जांच एवं जागरूकता टीम से जानकारी ली।

प्रमुख सचिव ने अधिकारियों की लापरवाही पर भी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन डलने के तुरंत बाद से ही सड़कों की मरम्मत कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी की सप्लाई गांवों में बाधित हुई तो अफसरों की खैर नहीं होगी। जलापूर्ति बाधित होने पर एजेंसियों के संचालक जिम्मेदार होंगे। चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि हालात अगर जल्द नहीं

सुधरे तो एफआईआर और जेल जाने की तैयारी भी कर लें। प्रमुख सचिव ने महिलाओं से पानी के महत्त्व को लेकर पूछताछ की। उन्होंने महिलाओं से दूषित पानी से होने वाली बीमारियों की जानकारी भी ली। साथ चल रहे अफसरों को निर्देश दिया कि बरसात शुरू होने से पहले ही गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाकर दूषित पेयजल पीने के नुकसान की जानकारी दी जाए। श्रीवास्तव ने गांव में नल खुले होने से रोजाना होने वाली पानी की बर्बादी से अफसरों को सचेत किया। उन्होंने कहा कि पानी की हर बूंद जीवन देने वाली है। किसी भी हाल में इसकी बर्बादी नहीं होनी चाहिए। ग्रामीण जागरूक हों, इसकी जिम्मेदारी स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ अफसरों की भी है। सड़कों पर पाइपलाइन की खुदाई के कारण सड़कों की मरम्मत को लेकर भी प्रमुख सचिव का रवैया सख्त रहा। प्रमुख सचिव में बताया की गांव में पानी की समस्या कभी नहीं होगी। सरकार शुद्ध पानी देने के लिए संकल्पकृत है। बहुत सारे गांव में पानी की सप्लाई शुरू हो गई है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पानी टंकी, पम्प, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी ली।

दैनिक जागरण लखनऊ, 1 ज

तीन हजार प्याऊ लगवाएगा जल जीवन मिशन

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ : भीषण बढ़ती गर्मी को देखते हुए जल जीवन मिशन शहरों में तीन हजार से अधिक जल सेवा केंद्र शुरू करने जा रहा है। ये जल सेवा केंद्र प्याऊ की तरह काम करेंगे, जहां राहगीरों, श्रृद्धालुओं और आमजन को स्वच्छ ठंडा पानी मिल सकेगा। विशेष तौर पर ये केंद्र शहर के अस्पताल, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजार, मंदिर और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे। इन केंद्रों का खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े एनजीओ, कंपनियां और एजेंसियां उठाएंगी। नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहरों में 51 से अधिक जल सेवा केंद्र बनाए जाएंगे। छोटे जिलों में 40 जल सेवा केंद्र शुरू किए जाएंगे।

गर्मी में राहगीरों, श्रृद्धालुओं की प्यास बुझाएंगे 3 हजार जलसेवा केन्द्र

जल जीवन मिशन हर जिले में संचालित करेगा लगभग 40 जल सेवा केंद्र

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। बढ़ती गर्मी में सावर्जनिक स्थानों और भीड़ भाड़ वाली जगहों पर राहगीरों को शुद्ध पेयजल मुहैया हो सके, इसके लिए जल जीवन मिशन शहरों में 3000 से अधिक जल सेवा केन्द्र चलाएगा। ये जल सेवा केन्द्र एक बड़े प्याऊ की तरह काम करेंगे जहां राहगीरों, श्रृद्धालुओं और आम जन को गर्मी में पीने के लिए ठंडा साफ पानी मिल सकेगा।

विशेषतौर पर ये केन्द्र शहर के अस्पतालों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजारों, मंदिरों और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे। पूरे प्रदेश में ये व्यवस्था शुरू हो गई है। सभी को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने की ये सेवा पूरी तरह से निशुल्क होगी। यह पूरा खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े NGO, कंपनियां और एजेंसियाँ उठाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केन्द्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहर जहां श्रृद्धालुओं और राहगीरों की संख्या अधिक है। वहां पर 51 से अधिक जल सेवा केन्द्र बनाए जाएंगे। अयोध्या में राम मंदिर और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर जाने वाले सभी रास्तों पर हर 2 किलोमीटर की दूरी पर जल सेवा केन्द्र लगाए जाएंगे। जिससे श्रृद्धालुओं को गर्मी में किसी भी तरह की दिक्कत न हो। कुछ ऐसा ही बंदोबस्त वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ में भी किया जाएगा। इसके अलावा छोटे जिलों में 40 जल सेवा केन्द्र शुरू किए जाएंगे।

जल सेवा केन्द्रों का लाभ यूं तो सभी को होगा। मगर इसका सबसे अधिक लाभ गरीबों को होगा। उन्हें बिना किसी खर्च के घर से बाहर भी साफ ठंडा पानी मिल सकेगा। आमतौर पर सार्वजनिक जगहों पर जल सेवा केन्द्र न होने की वजह से पैसे खर्च करने पड़ते हैं। इस कारण गरीब पानी नहीं खरीद पाता है, जिसकी वजह से उसे लू लगने का खतरा बना रहता है। जल जीवन मिशन के तहत अभी तक गांवों में पानी सप्लाई की व्यवस्था देखता है। मगर ये पहली बार होगा जब विभाग शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा। दरअसल प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में हर घर नल से जल पहुंचाने के सफल प्रयोग के बाद अब जल जीवन मिशन को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके पीछे एक बड़ी वजह ये भी है कि विभाग के पास शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए एक बड़ी टीम है, जो हर जिले में मौजूद है। इस काम में विशेषज्ञता होने की वजह से ये टीमें इस संकट की घड़ी में बेहतर काम कर सकती हैं।

गर्मी में बिना खर्च राहगीरों, श्रृद्धालुओं की प्यास बुझाएगें तीन हजार जल सेवा केन्द्र

जल जीवन मिशन हर जिले में संचालित करेगा लगभग 40 जल सेवा केंद्र

- अयोध्या सहित प्रमुख तीर्थ नगरियों में कम से कम 51 जल सेवा केंद्र होंगे स्थापित
- योगी के निर्देश पर प्रमुख सचिव नमामि गंगे ने जारी किए दिशा निर्देश
- जल सेवा केन्द्र पूरी तरह से नि:शुल्क होंग

सत्य संगम संवाददाता

लखनऊ। बढ़ती गर्मी में सावर्जनिक स्थानों और भीड़ भाड़ वाली जगहों पर राहगीरों को शुद्ध पेयजल मुहैया हो सके। इसके लिए जल जीवन मिशन शहरों में 3000 से अधिक जल सेवा केन्द्र चलाएगा। ये जल सेवा केन्द्र एक बड़े प्याऊ की तरह काम करेंगे, जहां राहगीरों, श्रृद्धालुओं और आम जन को गर्मी में पीने के लिए ठंडा साफ पानी मिल सकेगा। विशेषतौर पर ये केन्द्र शहर के अस्पतालों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजारों, मॅदिरों और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे। पूरे प्रदेश में ये व्यवस्था शुरू हो गई है। सभी को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने की ये सेवा पूरी तरह से निशुल्क होगी। यह पूरा खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े हतह, कंपनियां और एजेंसियाँ उठाएंगी. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केन्द्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

अयोध्या में सबसे अधिक होगी जल सेवा केन्द्रों की संख्या

अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहर जहां श्रृद्धालुओं और राहगीरों की संख्या अधिक है। वहां पर 51 से अधिक जल सेवा केन्द्र बनाए जाएंगे। अयोध्या में राम मंदिर और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर जाने वाले सभी रास्तों पर हर 2 किलोमीटर की दूरी पर जल सेवा केन्द्र लगाए जाएंगे। जिससे श्रृद्धालुओं को गर्मी में किसी भी तरह की दिक्कत न हो। कुछ ऐसा ही बंदोबस्त वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ में भी किया जाएगा। इसके अलावा छोटे जिलों में 40 जल सेवा केन्द्र शुरू किए जाएंगे।

गरीबों को घर से बाहर भी बिना खर्च मिल सकेगा साफ ठंडा पानी

जल सेवा केन्द्रों का लाभ यूं तो सभी को होगा। मगर इसका सबसे अधिक लाभ गरीबों को होगा। उन्हें बिना किसी खर्च के घर से बाहर भी साफ ठंडा पानी मिल सकेगा। आमतौर पर सार्वजनिक जगहों पर जल सेवा केन्द्र न होने की वजह से पैसे खर्च करने पड़ते हैं। इस कारण गरीब पानी नहीं खरीद पाता है, जिसकी वजह से उसे लू लगने का खतरा बना रहता है।

पहली बार शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा जल जीवन मिशन

जल जीवन मिशन के तहत अभी तक गांवों में पानी सप्लाई की व्यवस्था देखता है। मगर ये पहली बार होगा जब विभाग शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा। दरअसल प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में हर घर नल से जल पहुंचाने के सफल प्रयोग के बाद अब जल जीवन मिशन को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके पीछे एक बड़ी वजह ये भी है कि विभाग के पास शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए एक बड़ी टीम है, जो हर जिले में मौजूद है। इस काम में विशेषज्ञता होने की वजह से ये टीमें इस संकट की घड़ी में बेहतर काम कर सकती हैं।

शुरू किए जाएंगे 3 हजार से अधिक जल सेवा केंद्र

लोगों को मिलेगा शुद्ध और ठंडा पीने का पानी

LUCKNOW (31 MAY): भीषण बढ़ती गर्मी को देखते हुए जल जीवन मिशन शहरों में तीन हजार से अधिक जल सेवा केंद्र शुरू करने जा रहा है. ये जल सेवा केंद्र प्याऊ की तरह काम करेंगे, जहां राहगीरों, श्रद्धालुओं और आमजन को स्वच्छ ठंडा पानी मिल सकेगा. विशेष तौर पर ये केंद्र शहर के अस्पताल, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजार, मंदिर और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे. इन केंद्रों का खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े एनजीओ, कंपनियां और एजेंसियां उठाएंगी. नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहरों में 51 से अधिक जल सेवा केंद्र बनाए जाएंगे. अयोध्या में राम मंदिर और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर जाने वाले सभी रास्तों पर हर दो किलोमीटर की दूरी पर जल सेवा केंद्र बनाया जाएगा.

नारद नाद हिन्दी दैनिक
santoshsingh.vyast@gmail.com

गर्मी में बिना खर्च राहगीरों, श्रृद्धालुओं की प्यास बुझाएगें तीन हजार जल सेवा केन्द्र

जल जीवन मिशन हर जिले में संचालित करेगा लगभग 40 जल सेवा केंद्र

लखनऊ। बढ़ती गर्मी में सार्वजनिक स्थानों और भीड़ भाड़ वाली जगहों पर राहगीरों को शुद्ध पेयजल मुहैया हो सके। इसके लिए जल जीवन मिशन शहरों में 3000 से अधिक जल सेवा केन्द्र चलाएगा। ये जल सेवा केन्द्र एक बड़े प्याऊ की तरह काम करेंगे, जहां राहगीरों, श्रृद्धालुओं और आम जन को गर्मी में पीने के लिए ठंडा साफ पानी मिल सकेगा। विशेषतौर पर ये केन्द्र शहर के अस्पतालों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजारों, मंदिरों और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे। पूरे प्रदेश में ये व्यवस्था शुरू हो गई है। सभी को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने की ये सेवा पूरी तरह से निशुल्क होगी। यह पूरा खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े हलह, कंपनियां और एजेंसियाँ उठाएंगी. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव

जल सेवा केन्द्र पूरी तरह से निशुल्क होंग

अनुराग श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केन्द्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

अयोध्या में सबसे अधिक होगी जल सेवा केन्द्रों की संख्या : अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहर जहां श्रृद्धालुओं और राहगीरों की संख्या अधिक है। वहां पर 51 से अधिक जल सेवा केन्द्र बनाए जाएंगे। अयोध्या में राम मंदिर और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर जाने वाले सभी रास्तों पर हर 2 किलोमीटर की दूरी पर जल सेवा केन्द्र लगाए जाएंगे। जिससे श्रृद्धालुओं को गर्मी में किसी भी तरह की दिक्कत न हो। कुछ ऐसा ही बंदोबस्त वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ में भी किया जाएगा। इसके अलावा छोटे जिलों में 40 जल सेवा केन्द्र शुरू किए जाएंगे।

गरीबों को घर से बाहर भी बिना खर्च

अयोध्या सहित प्रमुख तीर्थ नगरियों में कम से कम 51 जल सेवा केंद्र होंगे स्थापित

मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रमुख सचिव नमामि गंगे ने जारी किए दिशा निर्देश

पहली बार शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा जल जीवन मिशन

जल जीवन मिशन के तहत अभी तक गांवों में पानी सप्लाई की व्यवस्था देखता है। मगर ये पहली बार होगा जब विभाग शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा। दरअसल प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में हर घर नल से जल पहुंचाने के सफल प्रयोग के बाद अब जल जीवन मिशन को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके पीछे एक बड़ी वजह ये भी है कि विभाग के पास शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए एक बड़ी टीम है, जो हर जिले में मौजूद है। इस काम में विशेषज्ञता होने की वजह से ये टीमें इस संकट की घड़ी में बेहतर काम कर सकती हैं।

मिल सकेगा साफ ठंडा पानी : जल सेवा केन्द्रों का लाभ यूं तो सभी को होगा। मगर इसका सबसे अधिक लाभ गरीबों को होगा। उन्हें बिना किसी खर्च के घर से बाहर भी साफ ठंडा पानी मिल सकेगा। आमतौर पर सार्वजनिक जगहों पर जल सेवा केन्द्र न होने की वजह से पैसे खर्च करने पड़ते हैं। इस कारण गरीब पानी नहीं खरीद पाता है, जिसकी वजह से उसे लू लगने का खतरा बना रहता है।

जल जीवन मिशन का निरीक्षण करते प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव।

प्रमुख सचिव ने जल जीवन मिशन योजना का किया निरीक्षण

रनियां। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को मैथा तहसील के भुजपुरा गांव में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण किया। उन्होंने भुजपुरा व परसौली गांव के लोगों से कहा कि अब उनके गांव में पानी की समस्या नहीं होगी। सरकार शुद्ध पानी देने के लिए पूर्णतया संकल्पित है। इसी क्रम में बहुत सारे गांवों में पानी की सप्लाई शुरू हो गई है। जिन गांवों में खारे पानी की समस्या है। वहां लगातार कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बनी टंकी का निरीक्षण कर गांव में पौधरोपण भी किया। इस दौरान जल निगम एक्सईएन एमके सिंह, ग्राम प्रधान नौशाद अहमद, भूरा कठेरिया, फहीम अहमद अख्तर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जल्द विकसित होंगे रेन वाटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क विकसित: मुख्य सचिव

स्वदेश समाचार ■ लखनऊ

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में बुधवार को नमामि गंगे की बैठक गई। इसमें मंडल एवं जनपद स्तर पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क विकसित करने पर विमर्श किया गया। मुख्य सचिव ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में भूजल संचयन चुनौती रहा है। जल संरक्षण न केवल वर्तमान बल्कि भविष्य की पीढ़ी के लिए भी आवश्यक है। वर्षा जल संचयन के विभिन्न तरीकों के लाइव डिमान्स्ट्रेशन के माध्यम से आमजन को शिक्षित करने की जरूरत है, इसके लिये एक मॉडल तैयार कर मंडल एवं जनपद स्तर पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क विकसित किया जाए। पार्क में वर्षा जल संचयन की नवीनतम तकनीकी का उपयोग किया जाए।

उन्होंने कहा कि राज्य स्तर पर रेन वॉटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क जनेश्वर मिश्र पार्क में विकसित किया जाये। पार्क में आने वाले बच्चों के लिए एक इंटरप्रिटेशन सेंटर होना चाहिए, जिसमें प्ले स्क्रीन पर बच्चों को जल संचयन के विषय पर जानकारी प्रदान करने हेतु फिल्म दिखाई जा सके। इसके अलावा एक ओपन

एअर थियेटर भी होना चाहिए, जिससे बच्चे वर्षा के जल संचयन की जानकारी प्राप्त कर सके। इसके लिये ज्यादा से ज्यादा डिजिटल तकनीकी का प्रयोग किया जाये। इस पार्क के माध्यम से लोगों में वर्षा के जल संचयन के प्रति जागरूकता फैलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश के समस्त जिलों में मानसून के प्रारम्भ से पूर्व प्राथमिकता पर आवश्यकतानुसार वर्षा के जल को नष्ट होने से बचाने हेतु समस्त उपायों को समय से पूर्व सुनिश्चित कर लिया जाये। उन्होंने यह भी कहा कि समस्त शासकीय/अर्द्धशासकीय भवनों यथा कार्यालय भवन, प्राथमिक विद्यालय, आगंनबाड़ी केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पंचायत भवन, इत्यादि पर अनिवार्य रूप से रूफटाप रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना करायी जाए।

'हर मंडल व जिले में बने रेन वाटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क'

लखनऊ : शहरों में भूजल संचयन की चुनौती से निपटने के लिए शासन ने रेन वाटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क विकसित कराए जाने का निर्णय किया है। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने नमामि गंगे विभाग की समीक्षा बैठक में मंडल व जिला स्तर पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क विकसित कराने का निर्देश दिया।(**राब्यू**)

जिलों में विकसित किए जाएंगे रेन वाटर हार्वेस्टिंग पार्क

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने मंडल एवं जिला स्तर पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क विकसित करने के निर्देश दिए हैं। नमामि गंगे विभाग की बुधवार को समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में भूजल संचयन एक चुनौती रहा है। जल का संरक्षण वर्तमान के साथ भविष्य के लिए भी आवश्यक है। वर्षा जल संचयन के विभिन्न तरीकों के लाइव डिमांस्ट्रेशन के माध्यम से आमजन को शिक्षित करना जरूरी है। इसके लिए एक मॉडल तैयार कर रेन वाटर हार्वेस्टिंग

मुख्य सचिव ने की नमामि गंगे विभाग की समीक्षा में दिए निर्देश, लखनऊ में जनेश्वर मिश्र पार्क को चुना गया

जल संचयन की नवीनतम तकनीकी का उपयोग हो।

उन्होंने कहा कि जल बहुत ही संवेदनशील मुद्दा है। सभी जिलों में मानसून से पूर्व प्राथमिकता पर वर्षा जल को नष्ट होने से बचाने के उपायों को समय से पूर्व सुनिश्चित कर लिया जाए।समस्त शासकीय एवं अर्द्धशासकीय भवनों जैसे कार्यालय भवन, प्राथमिक विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्र, सामुदायिक

बच्चों को फिल्म के जरिये करेंगे जागरूक

मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य स्तर पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क राजधानी के जनेश्वर मिश्र पार्क में विकसित किया जाए। यहां एक ऐसा सेंटर हो जहां बच्चों को प्ले स्क्रीन पर जल संचयन के विषय पर जानकारी देने के लिए फिल्म दिखाई जा सके। एक ओपन एअर थियेटर भी होना चाहिये, ताकि बच्चे वर्षा जल संचयन की जानकारी प्राप्त कर सकें। इस पार्क के माध्यम से वर्षा जल संचयन के प्रति जागरूकता फैलेगी।

अनिवार्य रूप से रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना की जाए। गत वर्षों में जिलों में जिन भवनों पर यह प्रणाली स्थापित की गई है, उनका निरीक्षण कर सफाई या मरम्मत करा ली जाए। नगरीय क्षेत्रों में आने वाले समस्त पार्क अथवा सार्वजनिक स्थलों में वर्षा जल

सरोवर का निरीक्षण करें। यदि कहीं जल प्रवाह में रुकावट हो, तो उसे ठीक किया जाए। अमृत सरोवर निर्माणाधीन हो तो उसे जल्द पूरा करा लिया जाए। बैठक में प्रमुख सचिव नमामि गंगे अनुराग श्रीवास्तव, एमडी जल निगम ग्रामीण राजशेखर, एलडीए वीसी इंद्रमणि त्रिपाठी सहित अन्य

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में नमामि गंगे की बैठक संपन्न

रेन वाटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क विकसित किये जाने पर किया गया विचार-विमर्श

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में नमामि गंगे विभाग की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मण्डल एवं जनपद स्तर पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क विकसित किये जाने पर विचार-विमर्श किया गया। मुख्य सचिव ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में भूजल संचयन एक चुनौती रहा है। जल का संरक्षण न केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए बल्कि भविष्य की पीढ़ी के लिए भी आवश्यक है। वर्षा जल संचयन के विभिन्न तरीकों के लाइव डिमान्स्ट्रेशन के माध्यम से आमजन को शिक्षित करने की जरूरत है, इसके लिये एक मॉडल तैयार कर मण्डल एवं जनपद स्तर पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क विकसित किया जाये। पार्क में वर्षा जल संचयन की नवीनतम तकनीकी का उपयोग किया जाये।

उन्होंने कहा कि राज्य स्तर पर रेन वॉटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क जनेश्वर मिश्र पार्क में विकसित किया जाये। पार्क में आने वाले बच्चों के लिये एक इन्टप्रिटेशन सेन्टर होना चाहिये, जिसमें प्ले स्क्रीन पर बच्चों को जल संचयन के विषय पर जानकारी प्रदान करने हेतु फिल्म दिखाई जा सके। इसके अलावा एक ओपेन एअर थियेटर भी होना चाहिये, जिसमें बच्चे वर्षा के जल संचयन की जानकारी प्राप्त कर सके। इसके लिये ज्यादा से ज्यादा डिजिटल तकनीकी का प्रयोग किया जाये। इस पार्क के माध्यम से लोगों मे वर्षा के जल संचयन के प्रति जागरूकता फैलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि जल बहुत ही संवेदनशील मुद्दा है। प्रदेश के समस्त जिलों में मानसून के प्रारम्भ से पूर्व प्राथमिकता पर आवश्यकतानुसार वर्षा के जल को नष्ट होने से बचाने हेतु समस्त उपायों को समय से पूर्व सुनिश्चित कर लिया जाये। उन्होंने यह भी कहा कि समस्त शासकीय/अर्द्धशासकीय भवनों यथा कार्यालय भवन, प्राथमिक विद्यालय, आगंनबाड़ी केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पंचायत भवन, इत्यादि पर अनिवार्य रूप से रूफटाप रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना करायी जाए।

उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि गत वर्षों में जनपदों में जिन शासकीय/अर्द्धशासकीय भवनों पर रूफटाप रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना की गयी है, उनका निरीक्षण कर सफाई या मरम्मत करा लिया जाए ताकि वे क्रियाशील रहे। नगरीय क्षेत्रों में आने वाले समस्त पार्क अथवा आपके नियन्त्रणाधीन सार्वजनिक स्थलों में वर्षा जल संचयन के प्रभावी उपाय किए जाएं। जनपद के सभी अमृत सरोवर का निरीक्षण कराकर यदि कहीं जल प्रवाह में रूकावट हो, उसे ठीक किया जाए, यदि कहीं अमृत सरोवर निर्माणाधीन हो तो उसे शीघ्र पूरा करा लिया जाये। बैठक में प्रमुख सचिव नमामि गंगे अनुराग श्रीवास्तव, एमडी जल निगम ग्रामीण राजशेखर, एलडीए वीसी इन्द्रमणि त्रिपाठी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

अमर उजाला

जल जीवन मिशन की विशेष पहल: हर जिले में संचालित होंगे 40 जल सेवा केंद्र, गर्मी में मिलेगा निशुल्क ठंडा पानी

अमर उजाला नेटवर्क, नोएडा Published by: आकाश दुबे Updated Fri, 31 May 2024 08:39 PM IST

सार

57999 Followers उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केन्द्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर जैसे शहर जहां श्रद्धालुओं और राहगीरों की संख्या अधिक है। वहां 51 से अधिक जल सेवा केन्द्र बनाए जाएंगे।

जल जीवन मिशन के तहत लगा प्याऊ - फोटो : अमर उजाला

बढ़ती गर्मी में सावर्जनिक स्थानों और भीड़ वाली जगहों पर राहगीरों को शुद्ध पेयजल मुहैया हो सके। इसके लिए जल जीवन मिशन के तहत विभिन्न शहरों में 3000 से अधिक जल सेवा केन्द्र चलाए जाएंगे। ये जल सेवा केन्द्र एक बड़े प्याऊ की तरह काम करेंगे, जहां राहगीर, श्रद्धालु और आमजन को गर्मी में पीने के लिए ठंडा और साफ पानी मिल सकेगा। विशेष तौर पर ये केन्द्र शहर के अस्पतालों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजारों, मंदिरों और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे। पूरे प्रदेश में ये व्यवस्था शुरू हो गई है। सभी को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने की ये सेवा पूरी तरह से निशुल्क होगी। यह पूरा खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े एनजीओ, कंपनियां और एजेंसियां उठाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केन्द्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

अयोध्या में सबसे अधिक होगी जल सेवा केन्द्रों की संख्या

अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहर जहां श्रद्धालुओं और राहगीरों की संख्या अधिक है। वहां पर 51 से अधिक जल सेवा केन्द्र बनाए जाएंगे। अयोध्या में राम मंदिर और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर जाने वाले सभी रास्तों पर हर दो किलोमीटर की दूरी पर जल सेवा केन्द्र लगाए जाएंगे। जिससे श्रद्धालुओं को गर्मी में किसी भी तरह की दिक्कत न हो। कुछ ऐसा ही बंदोबस्त वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ में भी किया जाएगा। इसके अलावा छोटे जिलों में 40 जल सेवा केन्द्र शुरू किए जाएंगे।

गरीबों को घर से बाहर भी बिना खर्च मिल सकेगा साफ ठंडा पानी

जल सेवा केन्द्रों का लाभ यूं तो हर वर्ग को मिलेगा, लेकिन इसका सबसे अधिक लाभ निर्धन लोगों को होगा। उन्हें बिना किसी खर्च के घर से बाहर भी साफ ठंडा पानी मिल सकेगा। आमतौर पर सार्वजनिक जगहों पर जल सेवा केन्द्र न होने की वजह से पैसे खर्च करने पड़ते हैं। इस कारण गरीब पानी नहीं खरीद पाता है, जिसकी वजह से उसे लू लगने का खतरा बना रहता है।

पहली बार शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा जल जीवन मिशन

जल जीवन मिशन के तहत अभी तक गांवों में पानी सप्लाई की व्यवस्था देखी जाती है, लेकिन ये पहली बार होगा जब विभाग शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा। दरअसल प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में हर घर नल से जल पहुंचाने के सफल प्रयोग के बाद अब जल जीवन मिशन को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके पीछे एक बड़ी वजह ये भी है कि विभाग के पास शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए एक बड़ी टीम है, जो हर जिले में मौजूद है। इस काम में विशेषज्ञता होने की वजह से ये टीमें इस संकट की घड़ी में बेहतर काम कर सकती हैं।

Head Topics इंडिया

लखनऊ: गर्मी में बिना खर्च राहगीरों-श्रृद्धालुओं की प्यास बुझाएगें तीन हजार जल सेवा केंद्र, जगह भी की गई तय

जल जीवन मिशन,Jal Jeevan Mission,मौसम गर्मी

Jal Jeevan Mission: जल जीवन मिशन के तहत हर जिले में लगभग 40 जल सेवा केंद्र संचालित होगा। अयोध्या सहित प्रमुख तीर्थ नगरों में कम से कम 51 जल सेवा केंद्र स्थापित होंगे। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर प्रमुख सचिव नमामि गंगे ने आदेश दिए। जल सेवा केंद्र पूरी तरह से निशुल्क...

लखनऊ: बढ़ती गर्मी में सार्वजनिक स्थानों और भीड़ भाड़ वाली जगहों पर राहगीरों को शुद्ध पेयजल मुहैया हो सके। इसके लिए जल जीवन मिशन शहरों में 3 हजार से अधिक **जल सेवा केंद्र** चलाएगा। ये **जल सेवा केंद्र** एक बड़े प्याऊ की तरह काम करेंगे, जहां राहगीरों, श्रृद्धालुओं और आम जन को गर्मी में पीने के लिए ठंडा साफ पानी मिल सकेगा। विशेष तौर पर ये केंद्र शहर के अस्पतालों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजारों, मंदिरों और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे। पूरे प्रदेश में ये व्यवस्था शुरू हो गई है। सभी को शीतल पेयजल...

केंद्र लगाए जाएंगे। इससे श्रृद्धालुओं को गर्मी में किसी भी तरह की दिक्कत न हो। कुछ ऐसा ही बंदोबस्त वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ में भी किया जाएगा। इसके अलावा छोटे जिलों में 40 जल सेवा केंद्र शुरू किए जाएंगे।बिना खर्च मिल सकेगा साफ ठंडा पानीजल सेवा केंद्रों का लाभ यूं तो सभी को होगा। मगर इसका सबसे अधिक लाभ गरीबों को होगा। उन्हें बिना किसी खर्च के घर से बाहर भी साफ ठंडा पानी मिल सकेगा। आमतौर पर सार्वजनिक जगहों पर जल सेवा केंद्र न होने की वजह से पैसे खर्च करने पड़ते हैं। इस कारण गरीब पानी...

हिन्दुस्तान

गर्मी में राहगीरों की प्यास बुझाएंगे 3000 जल सेवा केंद्र

-जल जीवन मिशन हर जिले में संचालित करेगा लगभग 40 जल सेवा

हिन्दुस्तान

● हिन्दुस्तान टीम,लखनऊ

Fri, 31 May 2024 07:25 PM

-जल जीवन मिशन हर जिले में संचालित करेगा लगभग 40 जल सेवा केंद्र

लखनऊ। विशेष संवाददाता

बढ़ती गर्मी में सार्वजनिक स्थानों और भीड़भाड़ वाली जगहों पर राहगीरों को नि:शुल्क शुद्ध पेयजल मुहैया कराने को जल जीवन मिशन शहरों में 3000 से अधिक जल सेवा केंद्र चलाएगा। ये जल सेवा केंद्र एक बड़े प्याऊ की तरह काम करेंगे। यहां राहगीरों, श्रृद्धालुओं और आम जन को पीने के लिए ठंडा पानी मिल सकेगा। विशेषतौर पर ये केन्द्र शहर के अस्पतालों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजारों, मंदिरों और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे। पूरे प्रदेश में यह व्यवस्था शुरू हो गई है।

इसका पूरा खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े एनजीओ, कंपनियां और एजेंसियां उठाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केंद्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

अयोध्या में सबसे अधिक होगी जल सेवा केन्द्रों की संख्या

अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहर जहां श्रृद्धालुओं और राहगीरों की संख्या अधिक है। वहां पर 51 से अधिक जल सेवा केन्द्र बनाए जाएंगे। अयोध्या में राम मंदिर और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर जाने वाले सभी रास्तों पर हर 2 किलोमीटर की दूरी पर जल सेवा केन्द्र लगाए जाएंगे। कुछ ऐसा ही बंदोबस्त वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ में भी किया जाएगा। इसके अलावा छोटे जिलों में 40 जल सेवा केन्द्र शुरू किए जाएंगे।

पहली बार शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा मिशन

जल जीवन मिशन अभी तक गांवों में पानी सप्लाई की व्यवस्था देखता है। मगर ये पहली बार होगा जब विभाग शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा। दरअसल प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में हर घर नल से जल पहुंचाने के सफल प्रयोग के बाद अब जल जीवन मिशन को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जागरण

जल जीवन मिशन यूपी के शहरों में 3000 से अधिक सेवा केन्द्र चलाएगा, गर्मी में बिना खर्च बुझेगी राहगीरों की प्यास

पूरे प्रदेश में ये व्यवस्था शुरू हो गई है। सभी को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने की ये सेवा पूरी तरह से निशुल्क होगी। यह पूरा खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े NGO कंपनियां और एजेंसियाँ उठाएंगी. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केन्द्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

गर्मी में बिना खर्च राहगीरों, श्रद्धालुओं की प्यास बुझाएंगे तीन हजार जल सेवा केन्द्र

डिजिटल डेस्क, लखनऊ। बढ़ती गर्मी में सावर्जनिक स्थानों और भीड़ भाड़ वाली जगहों पर राहगीरों को शुद्ध पेयजल मुहैया हो सके। इसके लिए जल जीवन मिशन शहरों में 3000 से अधिक जल सेवा केन्द्र चलाएगा। ये जल सेवा केन्द्र एक बड़े प्याऊ की तरह काम करेंगे, जहां राहगीरों, श्रृद्धालुओं और आम जन को गर्मी में पीने के लिए ठंडा साफ पानी मिल सकेगा। विशेषतौर पर ये केन्द्र शहर के अस्पतालों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजारों, मंदिरों और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे।

पूरे प्रदेश में ये व्यवस्था शुरू हो गई है। सभी को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने की ये सेवा पूरी तरह से निशुल्क होगी। यह पूरा खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े NGO, कंपनियां और एजेंसियाँ उठाएंगी. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केन्द्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

अयोध्या में सबसे अधिक होगी जल सेवा केन्द्रों की संख्या

अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहर जहां श्रृद्धालुओं और राहगीरों की संख्या अधिक है। वहां पर 51 से अधिक जल सेवा केन्द्र बनाए जाएंगे। अयोध्या में राम मंदिर और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर जाने वाले सभी रास्तों पर हर 2 किलोमीटर की दूरी पर जल सेवा केन्द्र लगाए जाएंगे। जिससे श्रृद्धालुओं को गर्मी में किसी भी तरह की दिक्कत न हो। कुछ ऐसा ही बंदोबस्त वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ में भी किया जाएगा। इसके अलावा छोटे जिलों में 40 जल सेवा केन्द्र शुरू किए जाएंगे।

गरीबों को घर से बाहर भी बिना खर्च मिल सकेगा साफ ठंडा पानी

जल सेवा केन्द्रों का लाभ यूं तो सभी को होगा। मगर इसका सबसे अधिक लाभ गरीबों को होगा। उन्हें बिना किसी खर्च के घर से बाहर भी साफ ठंडा पानी मिल सकेगा। आमतौर पर सार्वजनिक जगहों पर जल सेवा केन्द्र न होने की वजह से पैसे खर्च करने पड़ते हैं। इस कारण गरीब पानी नहीं खरीद पाता है, जिसकी वजह से उसे लू लगने का खतरा बना रहता है।

पहली बार शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा जल जीवन मिशन

जल जीवन मिशन के तहत अभी तक गांवों में पानी सप्लाई की व्यवस्था देखता है। मगर ये पहली बार होगा जब विभाग शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा। दरअसल प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में हर घर नल से जल पहुंचाने के सफल प्रयोग के बाद अब जल जीवन मिशन को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके पीछे एक बड़ी वजह ये भी है कि विभाग के पास शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए एक बड़ी टीम है, जो हर जिले में मौजूद है। इस काम में विशेषज्ञता होने की वजह से ये टीमें इस संकट की घड़ी में बेहतर काम कर सकती हैं।

NATIONAL NEWS VISION

गर्मी में बिना खर्च राहगीरों, श्रृद्धालुओं की प्यास बुझाएंगे 3 हजार जल सेवा केन्द्र

लखनऊ : बढ़ती गर्मी में सार्वजनिक स्थानों और भीड़ भाड़ वाली जगहों पर राहगीरों को शुद्ध पेयजल मुहैया हो सके। इसके लिए जल जीवन मिशन शहरों में 3000 से अधिक जल सेवा केन्द्र चलाएगा।

ये जल सेवा केन्द्र एक बड़े प्याऊ की तरह काम करेंगे, जहां राहगीरों, श्रृद्धालुओं और आम जन को गर्मी में पीने के लिए ठंडा साफ पानी मिल सकेगा।

जल जीवन मिशन हर जिले में संचालित करेगा लगभग 40 जल सेवा केंद्र

विशेषतौर पर ये केन्द्र शहर के अस्पतालों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजारों, मंदिरों और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे। पूरे प्रदेश में ये व्यवस्था शुरू हो गई है। सभी को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने की ये सेवा पूरी तरह से निशुल्क होगी।

अयोध्या सहित प्रमुख तीर्थ नगरियों में कम से कम 51 जल सेवा केंद्र होंगे स्थापित

यह पूरा खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े NGO, कंपनियां और एजेंसियाँ उठाएंगी. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केन्द्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रमुख सचिव नमामि गंगे ने जारी किए दिशा निर्देश

अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहर जहां श्रृद्धालुओं और राहगीरों की संख्या अधिक है। वहां पर 51 से अधिक जल सेवा केन्द्र बनाए जाएंगे। अयोध्या में राम मंदिर और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर जाने वाले सभी रास्तों पर हर 2 किलोमीटर की दूरी पर जल सेवा केन्द्र लगाए जाएंगे।

अयोध्या में सबसे अधिक होगी जल सेवा केन्द्रों की संख्या

जिससे श्रृद्धालुओं को गर्मी में किसी भी तरह की दिक्कत न हो। कुछ ऐसा ही बंदोबस्त वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ में भी किया जाएगा। इसके अलावा छोटे जिलों में 40 जल सेवा केन्द्र शुरू किए जाएंगे। जल सेवा केन्द्रों का लाभ यूं तो सभी को होगा।

जल सेवा केन्द्र पूरी तरह से निशुल्क

मगर इसका सबसे अधिक लाभ गरीबों को होगा। उन्हें बिना किसी खर्च के घर से बाहर भी साफ ठंडा पानी मिल सकेगा। आमतौर पर सार्वजनिक जगहों पर जल सेवा केन्द्र न होने की वजह से पैसे खर्च करने पड़ते हैं। इस कारण गरीब पानी नहीं खरीद पाता है, जिसकी वजह से उसे लू लगने का खतरा बना रहता है।

जल जीवन मिशन के तहत अभी तक गांवों में पानी सप्लाई की व्यवस्था देखता है। मगर ये पहली बार होगा जब विभाग शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा।

पहली बार शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा जल जीवन मिशन

दरअसल प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में हर घर नल से जल पहुंचाने के सफल प्रयोग के बाद अब जल जीवन मिशन को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसके पीछे एक बड़ी वजह ये भी है कि विभाग के पास शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए एक बड़ी टीम है, जो हर जिले में मौजूद है। इस काम में विशेषज्ञता होने की वजह से ये टीमें इस संकट की घड़ी में बेहतर काम कर सकती हैं।

NBT
नवभारत टाइम्स

लखनऊ: गर्मी में बिना खर्च राहगीरों-श्रृद्धालुओं की प्यास बुझाएगें तीन हजार जल सेवा केंद्र, जगह भी की गई तय

Edited By धीरेंद्र सिंह | नवभारतटाइम्स.कॉम • 31 May 2024, 10:32 pm

Jal Jeevan Mission: जल जीवन मिशन के तहत हर जिले में लगभग 40 जल सेवा केंद्र संचालित होगा। अयोध्या सहित प्रमुख तीर्थ नगरों में कम से कम 51 जल सेवा केंद्र स्थापित होंगे। मुख्यमंत्री योगी ...

हाइलाइट्स

- जल जीवन मिशन की एक और नई पहल
- हर जिले में 40 जल सेवा केंद्र होंगे संचालित
- प्रमुख तीर्थ शहर में भी स्थापित होंगे जल सेवा केंद्र

जल जीवन मिशन

लखनऊ: बढ़ती गर्मी में सार्वजनिक स्थानों और भीड़ भाड़ वाली जगहों पर राहगीरों को शुद्ध पेयजल मुहैया हो सके। इसके लिए जल जीवन मिशन शहरों में 3 हजार से अधिक जल सेवा केंद्र चलाएगा। ये जल सेवा केंद्र एक बड़े प्याऊ की तरह काम करेंगे, जहां राहगीरों, श्रृद्धालुओं और आम जन को गर्मी में पीने के लिए ठंडा साफ पानी मिल सकेगा। विशेष तौर पर ये केंद्र शहर के अस्पतालों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, बाजारों, मंदिरों और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे। पूरे प्रदेश में ये व्यवस्था शुरू हो गई है। सभी को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने की ये सेवा पूरी तरह से निशुल्क होगी। यह पूरा खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े NGO, कंपनियां और एजेंसियां उठाएंगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केंद्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहर जहां श्रृद्धालुओं और राहगीरों की संख्या अधिक है। वहां पर 51 से अधिक जल सेवा केंद्र बनाए जाएंगे। अयोध्या में राम मंदिर और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर जाने वाले सभी रास्तों पर हर 2 किलोमीटर की दूरी पर जल सेवा केंद्र लगाए जाएंगे। इससे श्रृद्धालुओं को गर्मी में किसी भी तरह की दिक्कत न हो। कुछ ऐसा ही बंदोबस्त वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ में भी किया जाएगा। इसके अलावा छोटे जिलों में 40 जल सेवा केंद्र शुरू किए जाएंगे।

बिना खर्च मिल सकेगा साफ ठंडा पानी

जल सेवा केंद्रों का लाभ यूं तो सभी को होगा। मगर इसका सबसे अधिक लाभ गरीबों को होगा। उन्हें बिना किसी खर्च के घर से बाहर भी साफ ठंडा पानी मिल सकेगा। आमतौर पर सार्वजनिक जगहों पर जल सेवा केंद्र न होने की वजह से पैसे खर्च करने पड़ते हैं। इस कारण गरीब पानी नहीं खरीद पाता है, जिसकी वजह से उसे लू लगने का खतरा बना रहता है।

हर घर जल

जल जीवन मिशन के तहत अभी तक गांवों में पानी सप्लाई की व्यवस्था देखता है। मगर ये पहली बार होगा, जब विभाग शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा। दरअसल प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में हर घर नल से जल पहुंचाने के सफल प्रयोग के बाद अब जल जीवन मिशन को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके पीछे एक बड़ी वजह ये भी है कि विभाग के पास शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए एक बड़ी टीम है, जो हर जिले में मौजूद है। इस काम में विशेषज्ञता होने की वजह से ये टीमें इस संकट की घड़ी में बेहतर काम कर सकती हैं।

यूपी के तीर्थ शहरों में लोगों की प्यास बुझाएगा मुफ्त जल सेवा केन्द्र, CM योगी के निर्देश पर नमामि गंगे की पहल

जल जीवन मिशन के तहत अभी तक गांवों में पानी सप्लाई की व्यवस्था देखता है. मगर ये पहली बार होगा जब विभाग शहरी क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराएगा. प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में हर घर नल से जल पहुंचाने के सफल प्रयोग के बाद अब जल जीवन मिशन को ये जिम्मेदारी सौंपी गई है.

TV9 Bharatvarsh | Updated on: May 31, 2024 | 8:50 PM

तपती गर्मी को देखते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या समेत राज्य के प्रमुख तीर्थ स्थलों पर जल सेवा केंद्र बढ़ाने का निर्देश दिया है. सरकार के निर्देश के मुताबिक जल जीवन मिशन इन शहरों में 3000 से अधिक जल सेवा केन्द्र चलाएगा. ये जल सेवा केन्द्र एक बड़े प्याऊ की तरह काम करेंगे. यहां राहगीरों, श्रद्धालुओं और आम जनों को गर्मी में पीने के लिए ठंडा साफ पानी मिल सकेगा. जानकारी के मुताबिक ये ये जलसेवा केन्द्र शहर के अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंडों, बाजारों, मंदिरों और धार्मिक स्थानों के पास लगाए जाएंगे.

खास बात ये कि मुख्यमंत्री के निर्देश के तुरंत बाद प्रदेश में ये व्यवस्था शुरू हो गई है. सभी को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने की ये सेवा पूरी तरह से निशुल्क होगी. पूरा खर्च जल जीवन मिशन से जुड़े NGO, कंपनियां और एजेंसियां उठाएंगीं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद नमामि गंगे विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने सभी शहरों में जल सेवा केन्द्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं.

अयोध्या में सबसे अधिक होंगे जल सेवा केन्द्र

अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, लखनऊ यूपी के ऐसे शहर हैं, जहां श्रद्धालुओं और राहगीरों की संख्या अधिक होती है. यहां 51 से अधिक जल सेवा केन्द्र बनाए जाएंगे. अयोध्या में राम मंदिर और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर जाने वाले सभी रास्तों पर हर 2 किलोमीटर की दूरी पर जल सेवा केन्द्र लगाए जाएंगे. जिससे श्रद्धालुओं को गर्मी में किसी भी तरह की दिक्कत न हो. कुछ ऐसा ही उपाय वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ में भी किया जाएगा. इसके अलावा छोटे जिलों में 40 जल सेवा केन्द्र शुरू किए जाएंगे.

गरीबों को घर से बाहर भी साफ और ठंडा पानी

यूपी सरकार के जल सेवा केन्द्रों का सबसे अधिक लाभ गरीबों को होगा. उन्हें बिना खर्च के घर से बाहर भी साफ ठंडा पानी मिल सकेगा. आमतौर पर सार्वजनिक जगहों पर जल सेवा केन्द्र न होने की वजह से पैसे खर्च करने पड़ते हैं. इस कारण गरीब पानी नहीं खरीद पाता है, जिसकी वजह से उसे लू लगने का खतरा बना रहता है.

अमन यात्रा

जल जीवन मिशन योजना का निरीक्षण करने कानपुर देहात पहुंचे प्रमुख सचिव नमामि गंगे

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को कानपुर देहात का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मैथा ब्लाक की ग्राम पंचायत भुजपुरा परियोजना में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय प्रमुख सचिव ने पानी टंकी, पंप, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी भी ली। उन्होंने गांव में पानी की जांच एवं जागरूकता टीम से जानकारी ली। प्रमुख सचिव ने अधिकारियों की लापरवाही पर भी फटकार लगाई

कानपुर। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को कानपुर देहात का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मैथा ब्लाक की ग्राम पंचायत भुजपुरा परियोजना में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय प्रमुख सचिव ने पानी टंकी, पंप, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी भी ली। उन्होंने गांव में पानी की जांच एवं जागरूकता टीम से जानकारी ली। प्रमुख सचिव ने अधिकारियों की लापरवाही पर भी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन डलने के तुरंत बाद से ही सड़कों की मरम्मत कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी की सप्लाई गांवों में बाधित हुई तो अफसरों की खैर नहीं होगी। जलापूर्ति बाधित होने पर एजेंसियों के संचालक जिम्मेदार होंगे। चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि हालात अगर जल्द नहीं सुधरे तो एफआईआर और जेल जाने की तैयारी भी कर लें।

प्रमुख सचिव ने महिलाओं से पानी के महत्त्व को लेकर पूछताछ की। उन्होंने महिलाओं से दूषित पानी से होने वाली बीमारियों की जानकारी भी ली। साथ चल रहे अफसरों को निर्देश दिया कि बरसात शुरू होने से पहले ही गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाकर दूषित पेयजल पीने के नुकसान की जानकारी दी जाए। श्रीवास्तव ने गांव में नल खुले होने से रोजाना होने वाली पानी की बर्बादी से अफसरों को सचेत किया। उन्होंने कहा कि पानी की हर बूंद जीवन देने वाली है। किसी भी हाल में इसकी बर्बादी नहीं होनी चाहिए। ग्रामीण जागरूक हों, इसकी जिम्मेदारी स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ अफसरों की भी है। सड़कों पर पाइपलाइन की खुदाई के कारण सड़कों की मरम्मत को लेकर भी प्रमुख सचिव का रवैया सख्त रहा। प्रमुख सचिव में बताया की गांव में पानी की समस्या कभी नहीं होगी। सरकार शुद्ध पानी देने के लिए संकल्पकृत है। बहुत सारे गांव में पानी की सप्लाई शुरू हो गई है। निरीक्षण के दौरान उन्होने पानी टंकी, पम्प, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी ली।

जागरण

जल जीवन मिशन योजना का जायजा लेने कानपुर देहात पहुंचे नमामि गंगे के प्रमुख सचिव, लापरवाही पर अफसरों को लगाई फटकार; दिए निर्देश

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को कानपुर देहात का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मैथा ब्लाक की ग्राम पंचायत भुजपुरा परियोजना में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय प्रमुख सचिव ने पानी टंकी पंप समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी भी ली। उन्होंने गांव में पानी की जांच एवं जागरूकता टीम से जानकारी ली।

जल जीवन मिशन योजना का निरीक्षण करने कानपुर देहात पहुंचे नमामि गंगे के प्रमुख सचिव

HIGHLIGHTS

1. जल जीवन मिशन योजना का जायजा लेने कानपुर देहात पहुंचे प्रमुख सचिव
2. लापरवाही मिलने पर अधिकारियों को लगाई फटकार
3. बोले- पानी की सप्लाई रुकी तो अफसरों की खैर नहीं

डिजिटल डेस्क, कानपुर। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को कानपुर देहात का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मैथा ब्लाक की ग्राम पंचायत भुजपुरा परियोजना में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय प्रमुख सचिव ने पानी टंकी, पंप, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी भी ली। उन्होंने गांव में पानी की जांच एवं जागरूकता टीम से जानकारी ली।

प्रमुख सचिव ने अधिकारियों की लापरवाही पर भी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन डलने के तुरंत बाद से ही सड़कों की मरम्मत कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी की सप्लाई गांवों में बाधित हुई तो अफसरों की खैर नहीं होगी। जलापूर्ति बाधित होने पर एजेंसियों के संचालक जिम्मेदार होंगे। चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि हालात अगर जल्द नहीं सुधरे तो एफआईआर और जेल जाने की तैयारी भी कर लें।

प्रमुख सचिव ने पानी के महत्व को लेकर महिलाओं से की पूछताछ

प्रमुख सचिव ने महिलाओं से पानी के महत्त्व को लेकर पूछताछ की। उन्होंने महिलाओं से दूषित पानी से होने वाली बीमारियों की जानकारी भी ली। साथ चल रहे अफसरों को निर्देश दिया कि बरसात शुरू होने से पहले ही गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाकर दूषित पेयजल पीने के नुकसान की जानकारी दी जाए।

श्रीवास्तव ने गांव में नल खुले होने से रोजाना होने वाली पानी की बर्बादी से अफसरों को सचेत किया। उन्होंने कहा कि पानी की हर बूंद जीवन देने वाली है। किसी भी हाल में इसकी बर्बादी नहीं होनी चाहिए। ग्रामीण जागरूक हों, इसकी जिम्मेदारी स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ अफसरों की भी है। सड़कों पर पाइपलाइन की खुदाई के कारण सड़कों की मरम्मत को लेकर भी प्रमुख सचिव का रवैया सख्त रहा।

प्रमुख सचिव में बताया की गांव में पानी की समस्या कभी नहीं होगी। सरकार शुद्ध पानी देने के लिए संकल्पकृत है। बहुत सारे गांव में पानी की सप्लाई शुरू हो गई है। निरीक्षण के दौरान उन्होने पानी टंकी, पम्प, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी ली।

उत्तर प्रदेश
Uttar Pradesh

प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने किया जल जीवन मिशन योजना का निरीक्षण, कहा- लापरवाह अफसरों पर होगी सख्त कार्रवाई - Principal Secretary in Kanpur Dehat

By ETV Bharat Uttar Pradesh Team
Published : Jun 21, 2024, 10:31 PM IST

> कानपुर देहात में शुक्रवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव जल जीवन मिशन योजना का निरीक्षण करने पहुंचे. इस दौरान उन्होंने अफसरों की जमकर क्लास लगायी.

कानपुर देहात में प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव (फोटो क्रेडिट- ईटीवी भारत)

कानपुर देहात: यूपी के जनपद कानपुर देहात में शुक्रवार को जल जीवन मिशन योजना का निरीक्षण करने के लिए नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव पहुंचे. उन्होंने कहा कि अगर पानी की सप्लाई रुकी, तो अब अफसरों की खैर नहीं. एजेंसी संचालक भी जेल जाने को भी तैयार रहें.

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को जनपद कानपुर देहात का दौरा किया. इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई. प्रमुख सचिव ने जनपद के मैथा ब्लॉक की ग्राम पंचायत भुजपुरा परियोजना में जल जीवन मिशन योजना का निरीक्षण किया. साथ ही निरीक्षण के समय प्रमुख सचिव ने पानी की टंकी, पंप समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी भी ली. उन्होंने गांव में पानी की जांच की और लोगों को जागरूक करने वाली टीम से भी मुलाकात की.

कानपुर देहात में प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने लापरवाह अधिकारियों की जमकर क्लास लगाई. उन्होंने कहा कि पाइपलाइन डाले जाने के तुरंत बाद ही सड़कों की मरम्मत कराई जानी चाहिए. अगर गांवों में पानी की सप्लाई बाधित हुई, तो संबंधित अफसरों पर कार्रवाई की जाएगी. जलापूर्ति बाधित होने पर एजेंसियों के संचालक जिम्मेदार होंगे. हालात अगर जल्द नहीं सुधरे, तो एफआईआर और जेल जाने की तैयारी भी कर लें.

प्रमुख सचिव ने गांव की महिलाओं से पानी के महत्त्व को लेकर बात की और महिलाओं से दूषित पानी से होने वाली बीमारियों के बारे में जानकारी ली. उन्होंने अफसरों को निर्देश दिये कि बरसात शुरू होने से पहले ही गांवों में जागरूकता अभियान चलाया जाए और दूषित पेयजल पीने के नुकसान के बारे में लोगों को सचेत किया जाए. उन्होंने पानी की बर्बादी को लेकर अफसरों को वॉर्निंग दी. उन्होंने कहा कि पानी की हर बूंद जीवन देने वाली है. किसी भी हाल में इसकी बर्बादी नहीं होनी चाहिए. ग्रामीण जागरूक हों. गांव में पानी की समस्या कभी नहीं होगी. सरकार ने शुद्ध पानी देने का संकल्प लिया है. बड़ी संख्या में गांवों में पानी की सप्लाई शुरू हो गई है.

जल जीवन मिशन योजना का निरीक्षण करने कानपुर देहात पहुंचे प्रमुख सचिव नमामि गंगे

June 22, 2024 / Knews India

> – पानी की सप्लाई रुकी तो अफसरों की खैर नहीं
> – एजेंसी संचालक जेल जाने को रहें तैयार
> – कानपुर देहात की परियोजना के निरीक्षण के दौरान बोले प्रमुख सचिव

कानपुर। 21 जून, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को कानपुर देहात का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मैथा ब्लाक की ग्राम पंचायत भुजपुरा परियोजना में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय प्रमुख सचिव ने पानी टंकी, पंप, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी भी ली। उन्होंने गांव में पानी की जांच एवं जागरूकता टीम से जानकारी ली।

प्रमुख सचिव ने अधिकारियों की लापरवाही पर भी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन डलने के तुरंत बाद से ही सड़कों की मरम्मत कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी की सप्लाई गांवों में बाधित हुई तो अफसरों की खैर नहीं होगी। जलापूर्ति बाधित होने पर एजेंसियों के संचालक जिम्मेदार होंगे। चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि हालात अगर जल्द नहीं सुधरे तो एफआईआर और जेल जाने की तैयारी भी कर लें।

प्रमुख सचिव ने महिलाओं से पानी के महत्त्व को लेकर पूछताछ की। उन्होंने महिलाओं से दूषित पानी से होने वाली बीमारियों की जानकारी भी ली। साथ चल रहे अफसरों को निर्देश दिया कि बरसात शुरू होने से पहले ही गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाकर दूषित पेयजल पीने के नुकसान की जानकारी दी जाए।

श्रीवास्तव ने गांव में नल खुले होने से रोजाना होने वाली पानी की बर्बादी से अफसरों को सचेत किया। उन्होंने कहा कि पानी की हर बूंद जीवन देने वाली है। किसी भी हाल में इसकी बर्बादी नहीं होनी चाहिए। ग्रामीण जागरूक हों, इसकी जिम्मेदारी स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ अफसरों की भी है। सड़कों पर पाइपलाइन की खुदाई के कारण सड़कों की मरम्मत को लेकर भी प्रमुख सचिव का रवैया सख्त रहा।
प्रमुख सचिव में बताया की गांव में पानी की समस्या कभी नहीं होगी। सरकार शुद्ध पानी देने के लिए संकल्पकृत है। बहुत सारे गांव में पानी की सप्लाई शुरू हो गई है। निरीक्षण के दौरान उन्होने पानी टंकी, पम्प, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी ली।

NATIONAL NEWS VISION

प्रमुख सचिव नमामि गंगे की खरी-खरी, कहा-पानी की सप्लाई रुकी तो खैर नहीं

By **National News Vision** - June 22, 2024

101 0

कानपुर। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को कानपुर देहात का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मैथा ब्लाक की ग्राम पंचायत भुजपुरा परियोजना में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के समय प्रमुख सचिव ने पानी टंकी, पंप, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी भी ली। उन्होंने गांव में पानी की जांच एवं जागरूकता टीम से जानकारी ली। प्रमुख सचिव ने अधिकारियों की लापरवाही पर भी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन डलने के तुरंत बाद से ही सड़कों की मरम्मत कराई जानी चाहिए।

कानपुर देहात में किया जल जीवन मिशन योजना का निरीक्षण

उन्होंने कहा कि पानी की सप्लाई गांवों में बाधित हुई तो अफसरों की खैर नहीं होगी। जलापूर्ति बाधित होने पर एजेंसियों के संचालक जिम्मेदार होंगे। चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि हालात अगर जल्द नहीं सुधरे तो एफआईआर और जेल जाने की तैयारी भी कर लें।

प्रमुख सचिव ने महिलाओं से पानी के महत्त्व को लेकर पूछताछ की। उन्होंने महिलाओं से दूषित पानी से होने वाली बीमारियों की जानकारी भी ली। साथ चल रहे अफसरों को निर्देश दिया कि बरसात शुरू होने से पहले ही गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाकर दूषित पेयजल पीने के नुकसान की जानकारी दी जाए।

श्रीवास्तव ने गांव में नल खुले होने से रोजाना होने वाली पानी की बर्बादी से अफसरों को सचेत किया। उन्होंने कहा कि पानी की हर बूंद जीवन देने वाली है। किसी भी हाल में इसकी बर्बादी नहीं होनी चाहिए। ग्रामीण जागरूक हों, इसकी जिम्मेदारी स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ अफसरों की भी है।

सड़कों पर पाइपलाइन की खुदाई के कारण सड़कों की मरम्मत को लेकर भी प्रमुख सचिव का रवैया सख्त रहा। प्रमुख सचिव में बताया की गांव में पानी की समस्या कभी नहीं होगी।

सरकार शुद्ध पानी देने के लिए संकल्पकृत है। बहुत सारे गांव में पानी की सप्लाई शुरू हो गई है। निरीक्षण के दौरान उन्होने पानी टंकी, पम्प, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी ली।

निष्पक्ष दस्तक

जल जीवन मिशन एजेंसी संचालक जेल जाने को रहें तैयार-प्रमुख सचिव

जल जीवन मिशन एजेंसी संचालक जेल जाने को रहें तैयार प्रमुख सचिव

जल जीवन मिशन योजना का निरीक्षण करने कानपुर देहात पहुंचे प्रमुख सचिव नमामि गंगे। पानी की सप्लाई रुकी तो अफसरों की खैर नहीं। एजेंसी संचालक जेल जाने को रहें तैयार। कानपुर देहात की परियोजना के निरीक्षण के दौरान बोले प्रमुख सचिव।

कानपुर। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को कानपुर देहात का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मैथा ब्लाक की ग्राम पंचायत भुजपुरा परियोजना में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय प्रमुख सचिव ने पानी टंकी, पंप,समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी भी ली। उन्होंने गांव में पानी की जांच एवं जागरूकता टीम से जानकारी ली।

प्रमुख सचिव ने अधिकारियों की लापरवाही पर भी फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन डलने के तुरंत बाद से ही सड़कों की मरम्मत कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पानी की सप्लाई गांवों में बाधित हुई तो अफसरों की खैर नहीं होगी। जलापूर्ति बाधित होने पर एजेंसियों के संचालक जिम्मेदार होंगे। चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि हालात अगर जल्द नहीं सुधरे तो एफआईआर और जेल जाने की तैयारी भी कर लें। प्रमुख सचिव ने महिलाओं से पानी के महत्त्व को लेकर पूछताछ की। उन्होंने महिलाओं से दूषित पानी से होने वाली बीमारियों की जानकारी भी ली। साथ चल रहे अफसरों को निर्देश दिया कि बरसात शुरू होने से पहले ही गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाकर दूषित पेयजल पीने के नुकसान की जानकारी दी जाए।

श्री श्रीवास्तव ने गांव में नल खुले होने से रोजाना होने वाली पानी की बर्बादी से अफसरों को सचेत किया। उन्होंने कहा कि पानी की हर बूंद जीवन देने वाली है। किसी भी हाल में इसकी बर्बादी नहीं होनी चाहिए। ग्रामीण जागरूक हों, इसकी जिम्मेदारी स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ अफसरों की भी है। सड़कों पर पाइपलाइन की खुदाई के कारण सड़कों की मरम्मत को लेकर भी प्रमुख सचिव का रवैया सख्त रहा। प्रमुख सचिव में बताया की गांव में पानी की समस्या कभी नहीं होगी। सरकार शुद्ध पानी देने के लिए संकल्पकृत है। बहुत सारे गांव में पानी की सप्लाई शुरू हो गई है। निरीक्षण के दौरान उन्होने पानी टंकी, पम्प, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी ली।

पानी सप्लाई को लेकर सख्ती, अफसरों को फटकार... नमामि गंगे के प्रमुख सचिव का दौरा

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने शुक्रवार को कानपुर देहात का दौरा किया. इस दौरान उन्होंने मैथा ब्लाक की ग्राम पंचायत भुजपुरा परियोजना में जल जीवन मिशन की योजना का निरीक्षण किया.

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात में जल जीवन मिशन योजना का निरीक्षण करने पहुंचे. उन्होंने अफसरों को कड़ी फटकार लगाई. उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर पानी की सप्लाई रुकी तो अफसरों की खैर नहीं. परियोजना के निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव ने सख्त लहजे में कहा कि एजेंसी संचालक जेल जाने को तैयार रहे. निरीक्षण के समय प्रमुख सचिव ने पानी टंकी, पंप, समेत पानी की जांच करने वाली टीम से जानकारी भी ली. इस बीच उन्होंने गांव में पानी की जांच एवं जागरूकता टीम से जानकारी ली.

प्रमुख सचिव ने अधिकारियों की लापरवाही पर भी फटकार लगाई. उन्होंने कहा कि पाइपलाइन डलने के तुरंत बाद से ही सड़कों की मरम्मत कराई जानी चाहिए. उन्होंने कहा कि पानी की सप्लाई गांवों में बाधित हुई तो अफसरों की खैर नहीं होगी. जलापूर्ति बाधित होने पर एजेंसियों के संचालक जिम्मेदार होंगे. चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि हालात अगर जल्द नहीं सुधरे तो एफआईआर और जेल जाने की तैयारी भी कर लें

महिलाओं से की पूछताछ

प्रमुख सचिव ने महिलाओं से पानी के महत्त्व को लेकर पूछताछ की. उन्होंने महिलाओं से दूषित पानी से होने वाली बीमारियों की जानकारी भी ली. साथ चल रहे अफसरों को निर्देश दिया कि बरसात शुरू होने से पहले ही गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाकर दूषित पेयजल पीने के नुकसान की जानकारी दी जाए.

अफसरों को किया सचेत

प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने गांव में नल खुले होने से रोजाना होने वाली पानी की बर्बादी से अफसरों को सचेत किया. उन्होंने कहा कि पानी की हर बूंद जीवन देने वाली है. किसी भी हाल में इसकी बर्बादी नहीं होनी चाहिए. ग्रामीण जागरूक हों, इसकी जिम्मेदारी स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ अफसरों की भी है. सड़कों पर पाइपलाइन की खुदाई के कारण सड़कों की मरम्मत को लेकर भी प्रमुख सचिव का रवैया सख्त रहा

दैनिक भास्कर

लखनऊ के जनेश्वर पार्क में रेन वाटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क: मुख्य सचिव की अध्यक्षता में नमामि गंगे विभाग की बैठक में लिया फैसला

हिन्दुस्तान

थीम पार्क के रूप में विकसित करें रेन वाटर हार्वेस्टिंग: मुख्य सचिव

- मुख्य सचिव की अध्यक्षता में नमामि गंगे विभाग की हुई बैठक लखनऊ-

● हिन्दुस्तान टीम,लखनऊ

Wed, 26 Jun 2024 06:40 PM

- मुख्य सचिव की अध्यक्षता में नमामि गंगे विभाग की हुई बैठक

लखनऊ- विशेष संवाददाता

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा है कि मंडल व जिला स्तर पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग को थीम पार्क के रूप में विकसित किए जाने पर विचार-विमर्श किया जाए। मुख्य सचिव ने बुधवार को नमामि गंगे विभाग की बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में भूजल संचयन एक चुनौती रहा है। जल का संरक्षण न केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए बल्कि भविष्य के लिए भी जरूरी है। वर्षा जल संचयन के विभिन्न तरीकों के सजीव प्रदर्शन के माध्यम से आमजन को शिक्षित करने की जरूरत है। इसके लिए एक मॉडल तैयार कर मंडल व जिला स्तर पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क विकसित किया जाए। पार्क में वर्षा जल संचयन की नई तकनीकी का उपयोग किया जाए।

उन्होंने कहा कि राज्य स्तर पर रेन वॉटर हार्वेस्टिंग थीम पार्क जनेश्वर मिश्र पार्क में विकसित किया जाए। पार्क में आने वाले बच्चों के लिए एक केंद्र हो, जिसमें प्ले स्क्रीन पर बच्चों को जल संचयन की जानकारी देने के लिए फिल्म दिखाई जा सके। इसके अलावा एक ओपेन एअर थियेटर भी होना चाहिए, जिसमें बच्चे वर्षा के जल संचयन की जानकारी प्राप्त कर सके। इसके लिए ज्यादा से ज्यादा डिजिटल तकनीकी का प्रयोग किया जाए। इस पार्क के माध्यम से लोगों मे वर्षा के जल संचयन के प्रति जागरूकता फैलेगी। जल बहुत ही संवेदनशील मुद्दा है। मानसून से पहले प्राथमिकता पर वर्षा के जल बचाने के लिए जरूरी उपाय किए जाएं।

उन्होंने यह भी कहा कि सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय भवनों, कार्यालयों, प्राथमिक विद्यालयों, आगंनबाड़ी केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, पंचायत भवन आदि पर अनिवार्य रूप से रूफटाप रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना कराई जाए। अमृत सरोवर का निरीक्षण कराकर यदि कहीं जल प्रवाह में रूकावट हो, उसे ठीक किया जाए, यदि कहीं अमृत सरोवर निर्माणाधीन हो तो उसे शीघ्र पूरा करा लिया जाए। बैठक में प्रमुख सचिव नमामि गंगे अनुराग श्रीवास्तव समेत अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।